RNI No. : UPHIN-2009/29369

डाक पंजीकरण : KANPUR HO/002/2022-24
प्रधान डाकघर कानपुर-डाक प्रेषण दिनांक 29/30

वार्षिक सदस्यता शुल्क 100/-

द्रविड़ भारत

www.dbindia.org.in

सामाजिक परिवर्तन का मासिक पत्र

जनवरी-2023 | वर्ष - 14 | अंक : 12 | मूल्य : 5/-

सम्पादकीय

RNI No. : UPHIN-2009/29369

संपादक : उमेश्वरी देवी, मो.: 9005204074
संरक्षक मण्डल : मा. रामदीन अहिरवार (महोबा), मा. राम अवतार चौधरी (सहा.अभि. जलकल विभाग), मा. छविलाल वर्मा (चरखारी), मा. हरिनाथ राम (दिल्ली), मनीष कुमार मो. 9415053621
राज्य ब्यूरो प्रमुख उत्तर प्रदेश :
सुनील कुमार, ढेलवा, गाजीपुर (उ.प्र.), मो.: 9935363730, 9170836363
योगेन्द्र कुमार (ब्यूरो चीफ चित्रकूट मण्डल)
मो.: 8299162841
हमीरपुर ब्यूरो प्रमुख -
रघुवर प्रसाद, मो.: 9793739030
क्षेत्रीय सम्पादकीय कार्यालय :
40/69, डी-5, श्यामलाल का हाता, परेड, कानपुर (उ.प्र.), मो. : 8756157631
ब्यूरो प्रमुख लखनऊ मण्डल :
राजकुमार, उन्नाव
मो.: 9889273743, 9392660070
हरियाणा राज्य :
डा. रमेश रंगा, ग्राम-सराय, औरंगाबाद, पो.-बहादुरगढ़,जिला-झज्जर (हरियाणा),09416347052
कानूनी सलाहकार : एड. रामप्रकाश अहिरवार, एड. यू.के. यादव, मोती लाल वर्मा, एड. विजय बहादुर सिंह राजपूत, एड. रमाकान्त धुरिया, रामऔतार वर्मा, एड. सुशील कुमार, कानपुर
मध्य प्रदेश राज्य : पुष्पेन्द्र कुमार
कार्यालय : ग्रा. व पो.-रामटौरिया, जिला-छतरपुर
छत्तीसगढ़ राज्य : ब्यूरो प्रमुख
रमा गजभिये, मो.: 7828273934
दिल्ली प्रदेश : C/o अनिल कुमार कनौजिया C-260, हर्ष विहार, हरिनगर एक्सटेंशन पार्ट-III, बदरपुर, नई दिल्ली-44, मो. : 09540552317
राजस्थान राज्य : रघुनाथ बौद्ध, श्याम रघु फुट वियर, दुकान नं.-1, गणेश मार्केट, पुलिस चौकी के सामने, अलवर, जिला-अलवर-301001,
मो. : 09887512360, 0144-3201516
बाबूलाल बौद्ध, अलवर, मो.-08058198233
संपादकीय/विज्ञापन प्रसार/पंजीकृत कार्यालय :
ग्रा व पो.-रिवई (सुनैचा), जिला-महोबा (उ.प्र.)
मो. : 9005204074, 8756157631
E-mail : dravinbharat1@gmail.com
प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
उमेश्वरी देवी द्वारा ग्रा. व पो.-रिवई (सुनैचा), जिला महोबा से प्रकाशित व श्रेय ऑफसेट प्रा. लि., 109/406, नेहरू नगर, कानपुर, 84/1, बी, फजलगंज, कानपुर से मुद्रित

प्रकाशित पत्रिका में प्रकाशित लेख, सामग्री, में संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। इसमें किसी भी प्रकार का दावा या विचार मान्य नहीं होगा। लेख के विवादित होने पर लेखक ही उत्तरदायी होगा समस्त विवादों का निपटारा महोबा न्यायालय में होगा पत्रिका का संपादन एवं संचालन पूर्णतयः अवैतनिक एवं अव्यवसायिक है।

मिशन को बढ़ाने के लिए सहयोग करें -
भारतीय स्टेट बैंक, शाखा-पी.पी.एन. मार्केट, कानपुर
खाता सं.-33496621020 • IFSC CODE-SBIN0001784

जाति व्यवस्था सामाजिक एकता को कमजोर करती है

आम्बेडकर (1979 सः 38) के अनुसार जाति सामाजिक संरचना का सबसे बड़ा दोष है। जहाँ तक वर्गान्तर और सामाजिक भेद का प्रश्न है वह तो सब जगह है, किन्तु विभिन्न स्थिति समूहों में अन्तः क्रिया, अन्तर्योग और अन्तर्युक्तता की दृष्टि से सब में और जाति में अन्तर है। आचार, विचार और विश्वास में हालाँकि सभी हिन्दू एक हैं किन्तु वास्तविक अर्थ में सब एक समाज या राष्ट्र नहीं है बल्कि, जातियों का एक संग्रह है।

जाति व्यवस्था सामाजिक संकीर्णता और मानसिक बीमारी की सूचक हैं। इसने भारतीय समाज में जनभावना का अन्त कर दिया है, जन आत्मा का गला घोंट दिया है और व्यक्ति के गुणों एवं उसकी निष्ठा को जाति में सीमित एवं कुण्ठित कर दिया है। जाति व्यवस्था ने समाज व राष्ट्र की एकता को कमजोर किया है।

जाति प्रथा समाजिक असंगठन एवं अवनति का कारण है

जाति व्यवस्था ने हिन्दू समाज में असंगठन को जन्म दिया। जातियों के कारण के अधिकार का अनुत्तरदायी रूप से दुरूपयोग किया गया। सभी दूर टकसालों ने अपनी पूर्ण क्षमता से कार्य किया और शीघ्र ही देश में विभिन्न सिक्कों की भरमार हो गई। इससे विनिमय के माध्यम के प्रति भ्रम पैदा हो गया। मुद्रा व्यापारियों ने लाभ कमाने के उद्देश्य से अपने सिक्कों का धातु ह्रास कर दिया परंतु अंकित मूल्य अपरिवर्तित रखा और इस प्रकार मुद्रा ने अपना प्राथमिक-त्वरित और सामान्य स्वीकृति का गुण खो दिया। जब सिक्के का निहित मूल्य उसके अंकित मूल्य को धोखा दे तो सिक्का, सिक्का न रहकर केवल वस्तु बन जाता है और उस समय कोई ऐसी मुद्रा नहीं थी जो विनिमय के माध्यम का कार्य तुरंत करने लगती। इस प्रकार गरीब और अनभिज्ञ लोगों को धोखा दिया गया या ठगा गया। साम्राज्य की समाप्ति के साथ ही पूरे भारत में प्रचलित साम्राज्य वैध मुद्रा भी समाप्त हो गई। परिस्थिति कुछ ऐसी हो गई कि व्यापार वस्तु विनिमय तक ही सीमित रह गया। विनिमय का कोई सामान्य माध्यम नहीं था। सिक्कों पर अंकित मूल्य समान होने और निहित धातु मात्रा पर्याप्त रूप से भिन्न होने के कारण परिस्थिति और जटिल बन गई। इस कारण कोई एक उसी नाम के दूसरे सिक्के की तुलना में या तो अधिमूल्यित था या उस पर बट्टा प्राप्त हो रहा था। प्रीमियम या बट्टे की जानकारी के अभाव में केवल व्यक्ति उन्हीं सिक्कों को स्वीकार करता था। जिनके बारे में वह जानता था या उसके क्षेत्र में प्रचलन में थे। इससे देश के व्यापार और वाणिज्य में रूकावटें आईं। देश के उत्पादक साधनों का दुरूपयोग होता रहा अतः डॉ. आम्बेडकर के अनुसार ''बुरी मुद्रा से अच्छी मुद्रा को विकसित करने का भार अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कम्पनी पर आ पड़ा जिसने इस दौरान भारत में मुगल साम्राज्य का उत्तराधिकार प्राप्त कर लिया था।

कम्पनी के डायरेक्टरों ने दिनांक 25 अप्रैल 1806 को विज्ञप्ति, जो भारत में उसके क्षेत्र के प्रशासकीय अधिकारियों के नाम थी, में अपने आपको एक धातुमान के पक्ष में घोषित करते हुए इसे भारतीय मुद्रा के लिए आदर्श बताया। नये रूपये का वजन 180 ग्रेन ट्राय निर्धारित किया गया जिसमें 165 ग्रेन शुद्ध चाँदी थी। डॉ. आम्बेडकर के अनुसार यह चुनाव श्रेष्ठ तर्कों पर आधारित था।

रूपये का एक विशिष्ट वजन चुनने का प्रमुख कारण संभवतः यह था कि वर्तमान स्थिति में जहाँ तक संभव हो परिवर्तन कम से कम हो। वास्तव में तो यह नई इकाई का पुनर्स्थापन ही था। दूसरा तर्क यह था कि मुद्रा की इकाई फिर से वजन की इकाई भी बन जायेगी, जो कि बीच में समाप्त हो गई थी। एक और सुविधा हो गई कि अब वजन की इकाईयां, भारतीय और ब्रिटिश दोनों, समान हो गईं परंतु मुख्य कारण 165 ग्रेन शुद्धता मान के चुनाव का यही था कि वर्तमान व्यवस्था में परिवर्तन कम से कम किया जाय 165 ग्रेन की शुद्धता के मान के चुनाव में 'कोर्ट आफ डायरेक्टर्स, ब्रिटिश कमिटि आन मिन्ट एण्ड काईनेज'' 1803 की सिफारिशों से भी प्रभावित हुए थे। जिसमें कहा गया था कि ''1/12 मिश्रण तथा 11/12 शुद्धता का संयोग कई प्रयोगों के बाद सर्वश्रेष्ठ अनुपात सिद्ध हुआ है या कम से कम यह किसी भी चुने जाने वाले अनुपात में अच्छा था।'' डॉ. आम्बेडकर के अनुसार एक धातुमान का चुना जाना अच्छे तर्कों पर आधारित था। उनके सम्मुख प्रस्तुत अनुभवों के प्रकाश में 'ईस्ट इंडिया कम्पनी' कोर्ट आफ डायरेक्टर्स' ने भारत की मुद्रा प्रणाली के लिए एक धातुमान को चुनकर अच्छा किया। सभी मुद्रा निगमनों का प्रमुख पाँचवें वर्ण में आते हैं अछूत हैं। चूंकि ये चतुवर्ण के अंग नहीं हैं, उससे बाहर हैं, इसलिए इन्हें अन्त्यज अथवा अन्त्यवासिन भी कहते हैं।

अस्पृश्यता इस पाँचवें वर्ण के लोगों के सामाजिक दुर्भाग्य का प्रतीक है। जन्म के साथ उनके माथे पर लगा एक सामाजिक धब्बा है। आम्बेडकर (संद. बाली, 1981) ने अपृश्यता को हिन्दू समाज का एक रोग निरूपित किया है। उनका कहना है कि यह कोई मानसिक बीमारी नहीं है जिससे मैं पीड़ित हूँ और न ही यह बात पीड़ा या एक मानसिक गाँठ है। प्रत्येक हिन्दू एक विश्वास करता है कि अस्पृश्यता का व्यवहार उचित है।

साभार :
डॉ. आंबेडकर
सामाजिक-आर्थिक विचार दर्शन
पेज संख्या 78 से 80 तक
डॉ. बालकृष्ण पंजाबी

हम साहित्यिक प्रतिभाओं के लिए अवसर पैदा करें

(नई दिल्ली)

बामसेफ के द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन में 20 से 24 नवंबर तक विभिन्न सम्मेलनों की कार्यवाही सम्पन्न हुई। जिनमें 24 नवम्बर 1980 को साहित्यिक सम्मेलन भी हुआ। इस सम्मेलन में मुख्य रूप से महाराष्ट्र के दो प्रसिद्ध व्यक्तियों ने दलित समाज और साहित्य–स्रजन के सम्बन्ध में सम्बोधित किया, तत्पश्चात ही बामसेफ सेंट्रल यूनिट के अध्यक्ष मा. कांशीराम जी ने अपना समाप्ति भाषण दिया।

साहित्यिक सम्मेलन के समापन भाषण में बामसेफ सेंट्रल यूनिट के अध्यक्ष मा कांशीराम जी ने साहित्यिक गतिविधियों में पारम्परिकता की आवश्यकता पर बल देते हुए बामसेफ द्वारा प्रेरित प्रकाशनों के सम्बन्ध में भविष्य में होने वाले प्रभाव के बारे में बतलाया।

उन्होंने कहा कि आज हमें आवश्यकता है कि हम साहित्यिक प्रतिभाओं के लिए अवसर पैदा करें। इस प्रसंग को ही आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि नए लेखकों को ढूंढ़ने के साथ–ही–साथ हमें पूरे भारत में उनके द्वारा पैदा की गई की गई साहित्यिक गतिविधियों में सामन्जस्य भी रखना है, तभी भारत के दलितों में अपनी हीन स्थिति के बारे में सोचने की भावना पैदा हो सकती है।

बामसेफ द्वारा प्रेरित प्रकाशनों का उद्घाटन

जैसा कि प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि आधुनिक युग जनतंत्रीय व्यवस्था में समाचार–पत्र और पत्रिकाएं महत्वपूर्ण माध्यम है, जिनके द्वारा आम जनता को जगाया जा सकता है। समाचार–पत्र एवं पत्रिकाओं के ही माध्यम से लोगों की विचारधारा को किसी विशेष उद्देश्य की पूर्ति के लिए मोड़ा जा सकता है जिनसे उनमें समस्याओं से जूझने की जिम्मेदारी आ सके। ऐसी समस्याओं से जिससे वे तथा उनका समाज सम्बन्धित है, दूसरी और पत्र और पत्रिकाएं प्रजातंत्र की लड़ाई के लिए जहाँ शासन पार्टी तथा विरोधी दल दोनों ही इस माध्यम पर बहुत कुछ आधारित होती हैं, प्रभावपूर्ण हथियार है। इसके द्वारा ही जन–समूह को किसी विशेष उद्देश्य के लिए संगठित किया जा सकता है। संक्षेप में कहा जा सकता है कि प्रेस और पब्लिकेशन किसी भी व्यवस्था को कायम करने तथा उसे आगे बढ़ाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। किसी भी आंदोलन के प्रचार–प्रसार के लिए जिससे भविष्य में उपलब्धि प्राप्त हो सकती है इसे प्रयोग में लाया जा सकता है।

बहुत दिनों से ऐसा देखने में आया है कि दलित और शोषित समाज के आंदोलन में कोई व्यवस्थित योजना कार्यान्वित नहीं, साथ–ही–साथ उन्हें संगठित करने तथा उसकी समस्याओं को प्रकाश में लाने के लिए न ही कोई माध्यम रहा है। आज की तत्कालीन प्रेस और पब्लिकेशन की जो व्यवस्था है वह केवल पूंजीवाद को बढ़ावा देने के लिए है, ऐसे पूंजीवाद को जो हिन्दू राज पर आधारित रूढ़ियों को कायम रखना चाहता है। उनका एकमात्र उद्देश्य दलित और शोषित समाज के ऐसे लोगों की इच्छाओं का दमन करता रहा है जो राष्ट्रीय विकास के लिए योगदान करने की भावना रखते हैं।

सवर्ण वर्ग की इस दमन नीति को चेतावनी देने तथा कमजोर वर्गों की भावनाओं तथा विचारधारा को मार्ग देने के लिए बामसेफ ने पत्र और पत्रिकाओं के माध्यम से अपने प्रकाशन को प्रेरणा दी है जिससे भारत में हजारो वर्गों से दलित तथा शोषितों को, जगाने के साथ–साथ शिक्षित और संगठित किया जा सके। बामसेफ की प्रेरणा से बहुत सारे प्रकाशन उन्नति के मार्ग पर हैं।

बामसेफ के अध्यक्ष तथा 'दि ऑप्रेस्ड इंडियन' के संपादक मा. कांशीराम जी ने इसी अधिवेशन में घोषणा की कि शोषित तथा दलित समाज को प्रेस और पब्लिकेशन की आवश्यकताओं को जुटाने के लिए शीघ्र ही और बहुत से प्रकाशन शुरू किए जाएंगे उन्होंने बतलाया कि 14 अप्रैल1981 से पहले ही 20 पत्रिकाएं और तीन दैनिक समाचार पत्र प्रारम्भ हो जाएंगे। इनमें से कुछ तो पहले से ही शुरू हो चुके हैं और कुछ उस अवसर पर अपने प्रारम्भ होने की इंतजार में हैं। उनके अनुसार बामसेफ के द्वारा प्रेरित प्रेस और पब्लिकेशन का उद्देश्य दलित समाज के सभी वर्गों को संगठित करना है साथ–ही–साथ उन सभी को एक मंच भी देना है जिसके माध्यम से वे अपनी विचारधारा को आगे बढ़ाने में सफल हो सकें। उन्होंने बतलाया कि आज हमारे बीच सुविधाओं की कोई कमी नहीं है और पाठकों तथा लेखकों के साथ–साथ धन भी हमारे पास बहुत है, लेकिन यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि किस तरह से हम उन सुविधाओं और बुद्धिजीवियों का सदुपयोग कर सकते हैं। अतः उन्होंने पढ़े–लिखे कर्मचारियों से गुजारिश की कि वे आगे आएं और इस चेतावनी को स्वीकार करते हुए अपनी योग्यता तथा शक्ति को साबित करके दिखाएं।

बामसेफ द्वारा प्रेरित सबसे पहली पत्रिका 'दि ऑप्रेस्ड इंडियन' (मासिक) 14 अप्रैल 1979 को अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित हुए और एक वर्ष के अन्दर ही दो और सहायक पत्रिका मराठी साप्ताहिक 'बहुजन नायक' तथा हिन्दी साप्ताहिक 'बहुजन संगठन भी शुरू हुईं। प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन में बामसेफ के अध्यक्ष मा. कांशीराम जी ने घोषणा की थी कि आने वाले एक वर्ष में हमारे 10 और प्रकाशन होंगे। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सभी प्रभावपूर्ण कदम लिए गए और यह लक्ष्य न केवल पूर्व घोषण अनुसार 10 प्रकाशन तक ही पूरा हुआ बल्कि इसके अलावा दो और प्रकाशन भी प्रारम्भ हुए।

इस लक्ष्य को पूर्ण करने की दिशा में, जैसा कि प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन में घोषण की गई थी, बामसेफ द्वारा प्रेरित दो दैनिक पत्र (हिन्दी और अंग्रेजी में, पाँच मासिक पत्रिकाएँ, तीन साहित्यिक विभिन्न भाषाओं में और दो पत्रिकाएं जो शोषित और दलित समाज के आर्थिक पत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रकाशित की गई। इन सभी प्रकाशनों के लिए उद्घाटन समारोह की व्यवस्था अधिवेशन में की गई।

इस अवसर पर अपने भाषण में उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा है कि कांशीराम जी द्वारा प्रारम्भ किया गया समाचार पत्र दलित जन–समूह के उद्देश्य को अवश्य पूरा करेगा।

मा. चरनदास निधड़क, भारतीय रिपल्किन पार्टी के उपाध्यक्ष तथा पंजाब के प्रतिभाशाली कवियों में से हैं उन्होंने उसी दिन चण्डीगढ़ से प्रकाशित होने वाली पत्रिका 'शोषित साहित्य' का विमोचन किया। डॉ. दाऊजी गुप्ता, लखनऊ और उत्तर प्रदेश के पिछड़े वर्ग के प्रभावशाली नेता, ने हिन्दी मासिक 'आर्थिक उत्थान' का 21 नवम्बर 1980 को विमोचन किया। मा. जयपाल सिंह कश्यप, संसद सदस्य (उ.प्र.) और उत्तर भारत में पिछड़े वर्ग के कर्मठ नेता, ने गुजराती साहित्यिक मासिक 'दलित साहित्य' का उद्घाटन किया।

(बहुजन संगठन, वर्ष 1, अंक 35, 2 फरवरी 1981)

22 नवम्बर 1980 को 'इकोनामिक अपसर्ज' जिसका प्रारम्भ दलित एवं शोषित समाज का आर्थिक पक्ष मजबूत बनाने के लिए किया गया था। उसका उद्घाटन मा. बी. अनायमिथ्यू, जनरल सेक्रेटरी पेरियार समान अधिकार समिति के हाथों हुआ। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि भारत के दबे और पीड़ित वर्ग के आर्थिक पक्ष को आगे बढ़ाने में उक्त पत्र अवश्य ही एक उपलब्धि साबित होगा। 'बहुजन साहित्यि' हिन्दी मासिक पत्रिका का उद्घाटन 23 नवम्बर 1980 को एडवोकेट मा. जी. पी. मदन (जो इलाहाबाद के सामाजिक कार्यकर्ता हैं) ने किया। मा. मदन जी इस अवसर पर बहुत प्रसन्न थे। उन्होंने कहा कि वैसे मैं इस योग्य नहीं था कि उक्त पत्रिका का उद्घाटन कर सकूं किन्तु आप लोगों ने अवसर दिया इसका मैं बहुत शुक्रगुजार हूँ। डॉ. गया प्रसाद प्रशान्त लखनऊ के पुराने अम्बेडकरवादी और भारतीय रिपब्लिकन पार्टी के नेता, ने दैनिक हिन्दी 'बहुजन संगठक' का 24 नवम्बर 1980 को उद्घाटन किया।

(बहुजन संगठक, वर्ष 1, अंक 36, 9 फरवरी 1981)

साभार : मा. कांशीराम साहब के ऐतिहासिक भाषण पेज संख्या 84 से 87, ए. आर. अकेला

जाने शिक्षा को लेकर क्या हैं आपके अधिकार

दिल्ली हाईकोर्ट ने पिछले सप्ताह शिक्षा को गरीबी से लड़ने का सबसे बड़ा हथियार बताया। कोर्ट ने 14 वर्ष की दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग को गर्भपात की अनुमति देते हुए विधिक सेवा प्राधिकरण से वंचित वर्गों को शिक्षा के अधिकारों के बारे में जागरूकता अभियान चलाने को कहा है। कानून में शिक्षा के अधिकारों के बारे में बता रहे है प्रमुख संवाददाता **प्रभात कुमार**.....

2019 में शिक्षा मौलिक अधिकार बना

केंद्र ने 2002 में संविधान में 86वें संशोधन के जरिये अनुच्छेद21ए को शामिल कर शिक्षा को मौलिक अधिकार घोषित किया। इसे अमलीजामा पहनाने के लिए केंद्र ने पहली अप्रैल, 2010 से शिक्षा के अधिकार अधिनियम को देशभर में लागू किय। इससे पहले, शिक्षा संवैधानिक अधिकार था।

दाखिला देना सरकार की जिम्मेदारी

आरटीई अधिनियम के तहत बच्चे को पड़ोस के स्कूल में दाखिला पाने का भी हक है। आरटीई की धारा 8 और 9 के तहत यह प्रावधान है कि सरकार बच्चे को खोजकर लाए और दाखिला दिलाए इसमें कहा गया है कि सरकार सुनिश्चित करें कि कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

निजी स्कूलों में पढ़ने का हक

छह से 14 साल तक के कम आय वर्ग और वंचित समूह के बच्चों को निजी और विशेष स्कूलों में 25 फीसदी सीटों पर मुफ्त शिक्षा पाने का हक है।

हर स्कूल में हों एक विशेष शिक्षक

केंद्र सरकार ने पिछले साल सितंबर में आरटीई में संशोधन करते हुए सभी स्कूलों में चाहे व सरकारी हो या निजी, कम से कम एक विशेष शिक्षक की नियुक्ति को अनिवार्य कर दिया है। इस हिसाब से देश में 15 लाख विशेष शिक्षकों की जरूरत होगी।

मुफ्त शिक्षा पाने का हक

1. आरटीई अधिनियम की धारा–3 में बच्चों को निःशुल्क शिक्षा पाने का अधिकारी है।
2. शिक्षा पाने की राह में बच्चों को आने वाली हर बाधा को दूर भी सरकार करेगी।
3. किताब, कॉपी, वर्दी, फीस, यहाँ तक कि दिव्यांग बच्चे को पढ़ने के लिए विशेष उपकरण आदि का प्रबंध भी सरकार को करना होगा।

''आरटीई कानून को लागू हुए 13 वर्ष बीत गए, लेकिन अब तक यह कानून प्रभावी तरीके से लागू नहीं हो सका है। स्कूलों में शिक्षकों की कमी है। बच्चों के लिए स्वच्छ पेयजल, मध्याहन भोजन पकाने के लिए रसोई आदि की अभी समस्या है। सरकार के साथ ही समाज को लीगल एंड क्लीनिक के तहत कानून को प्रभावी तौर पर लागू कराने के लिए आगे आना चाहिए।''

– अशोक अग्रवाल

अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट एवं शिक्षा के अधिकार कार्यकर्ता

हिन्दुस्तान 30 जनवरी 2023

Youtube पर Dravid Bharat Channel को Subcribe करें और दबायें।

पुरोहिताई की परम्परात्क व्यवस्था समाप्त की जानी चाहिये

डॉ. आम्बेडकर (1979 बः 77) के शब्दों में परम्परात्मक पुरोहिताई ब्राह्मणवाद का पुतला है। यह विशुद्धतया ब्राह्मणवाद की उपज है। ब्राह्मणवाद एक जहर है जिसने हिन्दु समाज को बर्बाद कर दिया है। यदि हिन्दु धर्म को बचाना है तो ब्राह्मणवाद को समाप्त किया जाना आवश्यक है। पुरोहिताई को समाप्त करने से ब्राह्मणवाद एवं जातिवाद को समाप्त करने में मदद मिलेगी।

आम्बेडकर का कहना है कि भारत में सभी पेशे नियमबद्ध है। एक डॉक्टर, एक वकील, एक इंजीनियर को अपनी प्रैक्टिस आरंभ करने से पहले अपने पेशे में दक्षता हासिल करनी होती है। अपने सम्पूर्ण व्यावसायिक जीवन के दौरान उन्हें न केवल अपने राज्य के नागरिक व आपराधिक कानून का पालन करना होता है बल्कि अपने पेशे से सम्बन्धित आचरण संहिता का भी अनुसरण करना पड़ता है। हिन्दू पुरोहिताई ही एकमात्र ऐसा पेशा है जिस पर कोई संहिता लागू नहीं होती।

एक पुरोहित मानसिक रूप से मूर्ख हो सकता है, शारिरिक रूप से वह गर्मी, सुजाक जैसे गन्दे रोग से पीड़ित हो सकता है, नैतिक रूप से भ्रष्ट हो सकता है तो भी वह हिन्दुओं के धार्मिक संस्कार को सम्पन्न कराने का पात्र हो सकता है और मन्दिरों में देवस्थल तक पहुँच कर देवता की पूजा कर सकता है। यह सब हिन्दुओं में इसलिए संभव है क्योंकि उनमें पुरोहिताई के लिये पुरोहित जाति में जन्म लेना पर्याप्त है। यह सम्पूर्ण विधान घृणास्पद है। इसका एकमात्र कारण यह है कि हिन्दुओं में पुरोहित वर्ग पर न तो कोई कानूनी और न ही नैतिक बन्दिश है। वह वर्ग अपना कोई कर्त्तव्य नहीं समझता। यह केवल अधिकार और सुविधाओं को जानता है। वह एक ऐसा परजीवी प्राणी है। जिसे कदाचित विधाता ने लोगों के मानसिक व चारित्रिक पतन के लिए बनाया है (आम्बेडकर 1979 ब, 77)

पुरोहित वर्ग को विधान के नियंत्रण के अंतर्गत लाना जरूरी है, जिससे कि पुरोहित वर्ग जनता को गुमराह कर उसका आहत न कर सके। इस सम्बन्ध में डॉ. आम्बेडकर (1979 बः 77) ने निम्न प्रावधान किये जाने का प्रस्ताव किया।

1. अच्छा हो हिन्दुओं में पुरोहिताई का पेशा समाप्त कर दिया जाये। यदि यह संभव न हो सके तो कम से कम यह आनुवांशिक नहीं होना चाहिये। प्रत्येक हिन्दू पुरोहित बनने का अधिकारी बन सके। पुरोहिताई के लिये राज्य द्वारा परीक्षा आयोजित की जानी चाहिये और केवल उन्ही व्यक्तियों को पुरोहिताई करने का अधिकार दिया जाना चाहिये जो यह परीक्षा उत्तीर्ण कर इस हेतु राज्य से सनद प्राप्त करें।
2. किसी ऐसे व्यक्ति, जो पुरोहिताई का सनद धारी द्वारा सम्पन्न किया गया संस्कार कानून द्वारा अवैध करार किया जाना चाहिये और गैर सनद याफ्ता व्यक्ति द्वारा पुरोहिताई कार्य सम्पन्न करने पर उसे कानून द्वारा दण्ड दिया जाना चाहिये।
3. पुरोहित राज्य का नौकर होना चाहिये और अपने आदर्श, विश्वास, पूजा आदि में अन्य नागरिकों की भाँति उस पर राज्य द्वारा प्रशासनिक कार्यवाही की जानी चाहिये।
4. जैसा कि भारतीय नागरिक (प्रशासनिक) सेवा में किया जाता है, राज्य की आवश्यकता के अनुसार राज्य में पुरोहितों की सख्या को सीमित किया जाना चाहिये।

साभार :
डॉ. आंबेडकर
सामाजिक–आर्थिक विचार दर्शन
पेज संख्या 97 से 98 तक
डॉ. बालकृष्ण पंजाबी

इस समाज का कल्याण एक–न–एक दिन अवश्य होकर रहेगा

(छिन्द)
(हमारे प्रतिनिधि द्वारा) 16–17 जनवरी 1981

अखिल भारतीय रामनामी महासभा के 72वें वार्षिक सम्मेलन द्वारा आयोजित छिन्द में विशाल मेले के अवसर पर एक जन–सभा हुई जिसकी अध्यक्षता रामनामी समाज के अध्यक्ष आदरणीय बोधाराम जी ने की।

विशाल जन–सभा को सम्बोधित करते हुए बामसेफ के अध्यक्ष मा. कांशीराम जी ने कहा कि भारत के इस संभोग में जिसे छत्तीसगढ़ कहा जाता है, इस क्षेत्र के संगठनों ने जो मुझे प्रथम बार आने का मौका दिया है। उसके लिए मैं उन्हें बार–बार धन्यवाद देता हूँ। मैं समझता हूँ कि भारत के कोने–कोने में जाने से मुझे जो कुछ सीखने को मिलता है उससे बहुत ज्यादा इन तीन दिनों में ही आपके यहाँ से सीख सकूँगा, ऐसी मुझे पूर्ण आशा है। यह मैं इसलिए कह रहा हूँ कि मैं अकेला नहीं हूँ बल्कि मेरे साथ बहुत सी अन्य जगहों से बामसेफ के सक्रिय कार्यकर्ता आए हैं।

उन्होंने आगे बताया कि जिस प्रकार इस क्षेत्र में रामनामी, सतनामी, सूर्यवंशी, चन्द्रवंशी और कबीरपंथी लोग आज सोच रहे हैं, ठीक उसी प्रकार भारत के हर कोने में दलित और शोषित लोग भिन्न–भिन्न धर्म और पंथ को मानते हुए भी इसी दिशा मे सोच रहे हैं। बामसेफ का अनुभव है कि जब सभी लोग भारत के हर कोने से एक ही दिशा में सोचेंगे तो इस समाज का कल्याण एक–न–एक दिन अवश्य होकर रहेगा।

बामसेफ क्या कर रही है और क्या करेगी यह प्रदर्शनी उसका ही एक महत्वपूर्ण अंग है, प्रदर्शनी जन–जागृति का सबसे बड़ा माध्यम होता है, इसे आप लोग भी अनुभव कर रहे होंगे।

मैं देख रहा हूँ कि इस प्रदर्शनी के दो अंग या पहलू हैं। एक और हमारे पूर्वजों द्वारा हमें आज की हालत में पहुँचाने का लेखा–जोखा है कि उन्होंने कितनी कठिनाइयाँ, अत्याचार और अपमान सहकर हमारे लिए आदर्श प्रस्तुत किए, हमारा मार्गदर्शन किया, उसकी पूरी झांकी आपके सामने है। यह प्रदर्शनी आपको यह भी दर्शाती है कि विभिन्न क्षेत्रो के पथ–प्रदर्शक और प्रवर्तकों ने भारत के हर कोने में एक–एक आंदोलन या स्वाभिमान की लड़ाई कायम की है, जैसे साठ–सत्तर वर्ष पहले पंजाब में आदिधर्मी, बंगाल में नमोशूद्र, तमिलनाडू में पेरियार रामासामी द्वारा प्रवर्तित आंदोलन, केरला में नारायण गुरू यथा महाराष्ट्र में महात्मा ज्योतिराव फुले और उनके बाद डॉ. अम्बेडकर आदि का आंदोलन हुआ। इन्हीं सब संघर्ष की कहानी को इकट्ठा करने का बामसेफ का छोट–सा प्रयास है जो आप लोगो के सामने हैं।

प्रदर्शनी का दूसरा पहलू है कि आज 33 वर्षो की आजादी के बाद भी सरकार की ओर से कोई विशेष कार्य हम लोगों के लिए नहीं हुआ है, दूसरे सवर्णों के द्वारा अत्याचार भी जारी है, गरीब और पीड़ितों की शिकायत न थाने में सुनी जाती है और न अदालतों में, अत्याचार के एक–से–एक हृदयविदारक दृश्य आपके सामने प्रस्तुत किए गए हैं। कहीं हमारी मां–बहनों को नंगा किया जाता है तो कहीं किसी की आंखें निकाल ली जाती हैं, कहीं हमारे समाज के मजदूरों को मजदूरी मांगने के बदले जिंदा जलाया जा रहा है। ये अत्याचार हमारे समाज के ऊपर ही नहीं हो रहे बल्कि इससे इसाई, मुसलमान और जन–जाति के लोग भी अछूत नहीं हैं उनकी भी वही दशा है जो हमारी है, ऐसे सभी हृदयविदारक समाचार दिन प्रतिदिन समाचार–पत्र एवं पत्रिकाओं के माध्यम से पढ़ते हैं।

अपने भाषण के अन्त में उन्होंने कहा कि इन अत्याचारों के चले आ रहे अनवरत क्रम को रोकने के लिए ही बामसेफ अपने कार्यकर्ताओं के साथ सजग हैं उन्होंने कहा कि इस वर्ष के अन्त तक आपको समाज का नंगा फिरना व्यापक रूप से बामसेफ प्रदर्शनी के माध्यम से देखने को मिलेगा। आप सबने मेरी बातों को बड़ी शान्ति से सुना इसके लिए धन्यवाद।

सभा को मा. अवधराम भारद्वाज, मा. दयावंतदास जी तथा गुरू बोधाराम जी ने भी संबोधित किया।

(बहुजन संगठक, वर्ष 1, अंक 36, 9 फरवरी 1981)

साभार :
मा. कांशीराम साहब के ऐतिहासिक भाषण
पेज संख्या 88 से 90
ए. आर. अकेला

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

कुलदीप शुक्ला
(अध्यक्ष)
जन चेतना मानस सेवा समिति
चम्पापुरवा शुक्लागंज, उन्नाव
मो.: 7007351009

द्रविड़ भारत मासिक पत्रिका परिवार के सभी लोगों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं .....

कार्य करने की वास्तविक स्वतंत्रता केवल वहीं पर होती है, जहाँ शोषण का समूल नाश कर दिया जाता है, जहाँ एक वर्ग द्वारा दूसरे वर्ग पर अत्याचार नहीं किया जाता, जहाँ बेरोजगारी नहीं है, जहाँ गरीबी नहीं है, जहाँ व्यक्ति को अपने धंधे के हाथ से निकल जाने का भय नहीं है, अपने कार्यों के परिणामस्वरूप जहाँ व्यक्ति अपने धंधे की हानि, घर की हानि तथा रोजी–रोटी की हानि के भय से मुक्त है।

डा. भीमराव अम्बेडकर

Youtube पर Dravid Bharat Channel को Subcribe करें और 🔔 दबायें।

आप सभी नगरवासियों को

नव वर्ष 2023

मकर संक्रांति एवं

गणतंत्र दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

गीता मौर्या (MA.LLB.NTT) मो0 6306473862

भावी प्रत्याशी सभासद पद हेतु वार्ड न० 4 (न०पा०प०अतर्रा बाँदा)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

चन्दा गौतम

निजी सचिव

आयकर विभाग, कानपुर उ0प्र0

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

तेजपाल सोलंकी

भीम सेना प्रदेश संयोजक, मध्य प्रदेश

मो. 9179825381

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

सरविन्द कुमार दोहरे

प्रधान सहायक

कार्यालय अपर श्रमायुक्त उ.प्र. कानपुर

क्षेत्र सर्वोदय नगर, कानपुर

मोबाइल : 7905600835

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

उदयराज पासी

प्रधान

मो.: 6388481721

ग्राम पीपरखेड़ा एहतमाली, शुक्लागंज, उन्नाव उ0प्र0

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

राजकुमार

ब्यूरो चीफ, उन्नाव

द्रविड़ भारत समाचार पत्र

मो.: 6392660070

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

कमलेश कुमार बौद्ध

कार्यालय अधीक्षक, डिप्टी कमांडेंट जनरल होम गार्ड्स, बुन्देलखण्ड परिक्षेत्र, झांसी (उ.प्र.)

मोबाइल : 9140065796

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

मो. असलम

सह प्रधान सहायक (उर्दू अनुवादक)

मुख्य अभियंता कार्यालय लोक निर्माण विभाग, कानपुर उ0प्र0

मो.: 9696366628

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

धर्मेन्द कुमार

कनिष्ठ लिपिक

नगर निगम कानपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

शैलेन्द्र कुमार

क्षेत्रीय महासचिव भा0 जी. बी निगम

अनुसूचित जाति/जनजाति/बुद्धिष्ठ कर्मचारी एवं अधिकारी कल्याण संघ कानपुर

Youtube पर Dravid Bharat Channel को Subcribe करें और 🔔 दबायें।

Government of India/भारत सरकार
Ministry of Labour & Employment/श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
Directorate General of Employment/रोजगार महानिदेशालय

सत्यमेव जयते

National Career Service
सही अवसर, सही समय
Right Opportunities, Right Time

National Career Service Centre for SC/STs/

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति हेतु राष्ट्रीय आजीविका सेवा केन्द्र

Regional Employment Exchange Campus/प्रादेशिक सेवायोजन कार्यालय परिसर
G.T. Road, Kanpur-208005/जी०टी० रोड, कानपुर–208005
Ph.No.: 0512-2242222, E-mail : ncscscstknp@gmail.com

भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, डीजीई के विभाग राष्ट्रीय आजीविका सेवा केन्द्र, विकलांग भवन (सेवायोजन कार्यालय), कानपुर द्वारा दिनांक 31 जनवरी, 2023 को श्री राज कुमार, उप–क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी की अध्यक्षता में रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार मेले में लगभग 10 कम्पनियाँ भाग ले रही है। रोजगार मेले में कम्पनियों को रिक्त पदों हेतु लगभग 100 अभ्यर्थियों की आवश्यकता है। रोजगार मेले में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। मेला प्रभारी उप–क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी राज कुमार ने बताया कि मेले में कोटक महिन्द्रा, एस०बी०आई० लाइफ, पुखराज हेल्थकेयर, डिक्शन कम्पनी, जस्ट डायल, केश कॉर्प, भिंडा कम्पनी, एल०आई०सी० बीमा निगम आदि कम्पनियाँ शामिल होंगी। इस रोजगार मेले में लगभग तीन सौ अथ्यर्थी के भाग लेने की सम्भावना है। मेले में साक्षात्कार देने हेतु अभ्यर्थी को अपना बायोडाटा, शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर कार्ड की छायाप्रति के साथ उपस्थित हों। रोजगार मेले में विभिन्न पदों हेतु साक्षात्कार देने वाले अभ्यर्थियों का एनसीएस पोर्टल पर पंजीयन भी किया जा रहा है। इच्छुक अनु०जाति/अनु०जनजाति के अभ्यर्थी अपना बायोडाटा रोजगार मेले के दिन भी साथ लेकर आ सकते हैं।

(राज कुमार)
उप–क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी
राष्ट्रीय आजीविका सेवा केन्द्र, कानपुर।

Biodata

Personal Details

Name	:–	Sunil Kumar
Caste	:–	Chamar (Kureel)
DOB	:–	21 April 1992
Blood Group	:–	A Negative
Height	:–	5 Feet 3 Inch
Weight	:–	65 Kg
Education	:–	High In 2006 I.T.I in 2008 From G.I.T.I Kanpur Polytechnic In 2012 From Govt.polytechnic Mainpuri B.tech In Mechanical Engg.2015 From K.I.T kanpur
Occupation	:–	Govt.job In Ministry Of Defense As A Technician

Family Background

Father	:–	Ramnaresh
Occupation	:–	Farmar
Mother	:–	Ramshree
Occupation	:–	House Wife
Brother	:–	3 Elder Brother 1. Raj Narayan (Govt.job) ,married 2. Hari Narayan (Govt.job),married 3. Shree Narayan (Pvt.job), Married
Sister	:–	2 Elder Sister Both Married 1. Renu W/o Ashish Kumar Gautam 1 Vineeta w/o Ritesh Varma

Others

Address	:–	Villege And Post – Nauranga Ghatampur Kanpur Nagar
Email	:–	sunilkit214@gmail.com
Contact	:–	8528363922, 9169603660,9557116067

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

रामनरेश
महासचिव (आई.टी.सेवा)

महेन्द्र कुमार
अध्यक्ष

एस.सी./एस.टी. एम्पलाइस वेलफेयर एसोसिएशन, आयकर विभाग, कानपुर
मो.: 7599101755

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

के. पी. वर्मा
उपायुक्त
हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग निदेशालय, कानपुर
मो० : 9415268129

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

आनन्द मोहन

संयुक्त आयुक्त
हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग निदेशालय, कानपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

इं. के. के. लाल

प्रधानाचार्य
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
अयोध्या, फैजाबाद (उ0प्र0)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

जगमोहन बामनिया

उप निदेशक श्रम विभाग
कानपुर (उ0प्र0)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

रोहित

अधिशासी अभियन्ता
मध्य गंगा नहर निर्माण खंड 10
सिचांई एवं जल संसाधन विभाग, बुलन्दशहर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

प्रताप सिंह

प्रशासनिक अधिकारी
मुख्य अभियंता कार्यालय, लोक निर्माण विभाग, कानपुर
मो.: 9415430469

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

अजय बौद्ध

सुपरिंटेंडेंट सी.जी.एस.टी.
सर्वोदय नगर, कानपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

कमलेश कुमार

प्रधान सहायक
हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय, कानपुर
मो0 : 9005201853, 7007615951

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

भूप सिंह

लिपिक
कानपुर विकास प्राधिकरण, कानपुर
मो0 : 9455646040

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

रोशन लाल

फोरमैन सिविल इंजी. विभाग
हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय, कानपुर
मो0 : 9839791024

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

अजय कुमार

लिपिक
कानपुर विकास प्राधिकरण, कानपुर, उ0प्र0
मो0 : 7905305856

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

अर्चना कैथवार

प्रशासनिक अधिकारी
उपाध्यक्ष
लेबर डिपार्टमेन्ट मिनिस्टीरियल
एम्प्लाइज एसोसिएशन उ0प्र0

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

नीतू जैसवार

भाषा अनुदेशक हिन्दी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान महिला
लाल बंगला, कानपुर, मो.: 9838291001

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद

की ओर से समस्त कर्मचारी साथियों/मित्रों को
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

मेवालाल

सम्प्रेक्षक रा.क.स.प.कानपुर
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
उ० प्र० फेडरेशन ऑफ मिनी. स्टाफ एसो० कानपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

सहाराम

प्रधान सहायक,
कार्यालय अपर श्रमायुक्त उ0प्र0
कानपुर क्षेत्र, सर्वोदय नगर, कानपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

राज नारायण

वरिष्ठ सहायक
आई.टी.आई., पाण्डु नगर, कानपुर
मो0 : 9389328660

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

जगजीवन राम

प्रशासनिक अधिकारी
मण्डलीय अध्यक्ष
अखिल भारतीय अनु. जाति जनजाति एवं बुद्धिष्ट
भारतीय जीवन बीमा निगम कर्मचारी कल्याण संघ
मो.: 9450134953

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

रामचरन

पम्प आपरेटर
कानपुर विकास प्राधिकरण
मो0 : 9984251800

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

विजय गौतम

लेखाकार
कोषागार कानपुर नगर
मो0 : 9696222033

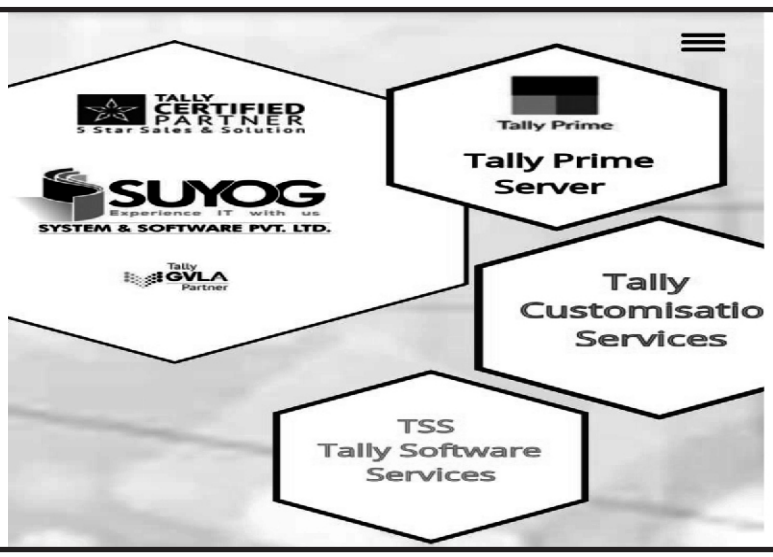

Get in touch

117/111, C-5, Second Floor, Mandir Marg
Sarvodaya Nagar, Kanpur
Uttar Pradesh – 208005, India

+91 9889107777
+91 9839119556

preet.kalsi@suyog.net
ygulati@suyog.net

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

डा. नरेश कुमार

पी.एच.डी. (मैके. इंजी.)

प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पाण्डु नगर, कानपुर (उ0प्र0)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

वीरेन्द्र कुमार भारतीय

सहायक लेखाधिकारी

श्रमायुक्त कार्यालय, कानपुर उ0प्र0

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

इं. यसीन खान

अधिशासी अभियन्ता

कानपुर प्रखण्ड निचली गंगा नहर, कानपुर नगर उ0प्र0

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

के. के. वर्मा

वरिष्ठ सहायक

उर्सला अस्पताल, कानपुर

मो0 : 9415430319

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

रामस्वरूप

प्रशासनिक अधिकारी

उपध्यक्ष रा0क0स0 परिषद, कानपुर नगर

कार्यालय श्रमायुक्त उ0प्र0 जी0टी0 रोड कानपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

नैंसी ज्वैलर्स

हमारे यहाँ सोने व चाँदी के जेवरात आर्डर देने पर तैयार किये जाते है।

ग्राम आजाद नगर बाजार, शुक्लागंज, उन्नाव उ0प्र0

मो.: 8175007779 प्रो. मुकेश सिंह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

रोहित निषाद

एडवोकेट

ग्राम भिटवा, घोंघी रौतापुर, शुक्लागंज, उन्नाव उ0प्र0

मो.: 9454390484

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

मधु पत्नी राजेन्द्र कुमार कुरील

जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा अभिकर्ता (एजेन्ट)

मो.: 9838239138

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

स्थापित :– 25/अप्रैल/2017 रजि. न. – S/3508

शिक्षित करो! जय भीम संगठित करो!! जय मूलनिवासी संघर्ष करो!!!

बहुजन समाज स्वाभिमान संघर्ष संगठन (बीएस-4) जिन्दाबाद

बीएस–4

एम.के. खाटवान संस्थापक

मो.: 9415727592

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

राजकुमार

कनिष्ठ सहायक

कार्यालय श्रमायुक्त, जी0टी0 रोड कानपुर उ0प्र0

VIP No : 10665 गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ .... VIP CARD Valid Till : Lifetime

Vaishali Makeup Studio & Academy

Trend By Lakme & Parul Garg

प्रोपराइटर गीता

केनरा बैंक के ऊपर राजधानी मार्ग, शुक्लागंज, उन्नाव उ0प्र0

मो.: 8840105564

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

सुरेश चन्द्र

डिपो मैनेजर/नाजिर

उ0प्र0 राज्य हथकरघा निगम लि., कानपुर उ0प्र0

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

रमेश कुशवाहा

पूर्व प्रधान

ग्राम आजाद नगर, नेतुवा, शुक्लागंज, उन्नाव उ0प्र0

मो.: 9453805330

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

प्रतिमा रानी

प्रशासनिक अधिकारी

कार्यालय श्रमायुक्त उ0प्र0 जी0टी0 रोड कानपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

ए.के.लेदर

इम्पोर्ट्स एक्सपोर्ट

अली नगर शुक्लागंज, उन्नाव उ0प्र0

प्रो0 अतीक जमाल मो. 9839611007

नगर में जगह-जगह गणतंत्र दिवस की रही धूम

गंगाघाट कोतवाली, नगर पालिका, सरकारी, गैर सरकारी तथा अंबेडकर पार्क में लोगों ने फहराया तिरंगा। गंगा घाट, उन्नाव में गणतंत्र दिवस के अवसर पर बीते गुरुवार को नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत कार्यक्रमों की धूम रही। कलेक्ट्रेट, एस.पी. कार्यालय सहित सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों, स्कूलों में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर लोगों ने देश की एकता व अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लिया। इस दौरान बच्चो ने जहाँ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, वहीं जगह–जगह प्रभातफेरी भी निकाली गई। विद्यालयों में भी गणतंत्र दिवस की धूम रही। इसी कड़ी में नगर में स्थित सरकारी व प्राइवेट सभी स्कूलों तथा नगर में स्थित अंबेडकर पार्क पोनी रोड, बौद्ध विहार, सीताराम कालोनी, कुशाल खेड़ा स्थित अंबेडकर पार्क, सुखलाल खेड़ा, निहाल खेड़ा, रविदास पार्क, अंबेडकर नगर, आदर्श नगर में स्थित अंबेडकर पार्क में गणतंत्र दिवस पर झंडारोहण एवं बसंत पंचमी के अवसर पर स्कूलों में सरस्वती पूजन का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्कूलों में झंडारोहण के बाद छात्र–छात्राओं ने देशभक्ति गीतों के साथ–साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर लोगों ने घरों में भी सरस्वती पूजा कर अपने घरों की छतों पर झंडा फहराया नगर में चारो तरफ देशभक्ति के गीत बजते सुनाई दिए। इस अवसर पर लोगों ने मोटरसाइकिल से रैली निकाली। जिसमें राजबहादुर, सुरेन्द्र, पूरन, प्रमोद, नरेन्द्र, श्याम बिहारी, संतोष कपूर, रमेश भारती, गंगाराम, जगदीश, राजेश, गोयल, पुत्तन, हाजी मुस्ताक, रामबाबू एडवोकेट, दीपचंद प्रधान, सूरज गौतम, नरेन्द्र बीडीसी, आशीष, सुरेन्द्र बीडीसी, प्रमोद रावत, राकेश गौतम, शिवम गौतम, जितेन्द्र गौतम, संदीप, गौतम, देवांश गौतम, हर्ष गौतम आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

Youtube पर Dravid Bharat Channel को Subcribe करें और दबायें।

सेवा में,

नाम .....

पता .....

.....

.....

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ....

सूरज पाल

पूर्व प्रधान

ग्राम फतेहपुर, रौतापुर, शुक्लागंज, उन्नाव उ0प्र0

मो.: 9695324069

****जल अमूल्य निधि है****

आजादी का अमृत महोत्सव

****जल ही जीवन है****

जलकल विभाग, नगर निगम, कानपुर

जल संरक्षण के हित में उपभोगताओं से अपील

क्रम सं०	क्या करें	क्रम सं०	क्या न करें
1–	जलकल विभाग द्वारा आपूर्ति अथवा इण्डिया मार्क–।। हैण्डपम्प का पानी पानी पीने में प्रयोग करें।	1–	अनाधिकृत रूप से ठेलियों/ट्राली पर पानी बेचने वालों के पानी का प्रयोग न करें।
2–	आपकी पाइप लाइन नाली अथवा किसी अन्य गन्दे स्थान से हो कर जा रही हो तो पंजीकृत प्लम्बर से उसका मार्ग परिवर्तित करा लें अथवा इस पर केसिंग पाइप अवश्य लगवा लें। सर्विस पाइप लाइन पुरानी अथवा क्षतिग्रस्त हो गयी हो तो उसे तत्काल बदलवा लें। अन्यथा गन्दा पानी पेयजल को प्रदूषित करेगा।	2–	पानी की लाइन में बूस्टर पम्प लगा कर, सीधे पानी न लें। यदि आवश्यक हो तो टब अथवा टैंक में जलकल के नल से पानी एकत्र कर उसे बूस्टर पम्प द्वारा ऊपर चढ़ायें।
3–	हैण्डपम्प का प्लेट फार्म साफ रखें।	3–	हैण्डपम्प के चारों तरफ गन्दा पानी एवं गन्दगी न एकत्र होने दें।
4–	गन्दा पानी आने पर जलकल विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय अथवा जलकल विभाग के कन्ट्रोल रूम नं०–9235553826, 27 पर फोन कर अवगत करायें।	4–	सीवर मेनहोल में कूड़ा करकट न डालें तथा मेनहोल खुला होने पर तत्काल कन्ट्रोल रूम को सूचित करें।
5–	जलकल विभाग की पाइप लाइन में लीकेज/सीवर समस्या होने पर तत्काल जलकल विभाग के कन्ट्रोल रूम नं०–9235553826, 27 पर इसकी जानकारी दें।	5–	पानी लेने के बाद नल/स्टैण्ड पोस्ट खुला न छोड़ें। पानी का भण्डारण करें व अपव्यय रोकें।
6–	पानी एकत्र करने के लिये ढक्कन युक्त साफ बर्तन का प्रयोग करें।	6–	पानी के बर्तन में हाथ न डालें, पानी निकालने के लिये लम्बे हैन्डल के बर्तन का प्रयोग करें।

जन सामान्य के अच्छे भविष्य हेतु जल–संरक्षण

1– बैठकों सेमीनारों प्रदर्शनियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जहाँ पेयजल आवश्यक हो, एक लीटर के पानी के बोतल के स्थान पर 250–300 मिली० के पानी के बोतल का इस्तेमाल किया जाये, जिससे इस अमूल्य धरोहर को अपव्यय से बचा जा सके।

2– जन सामान्य पानी पीने हेतु छोटे बर्तन/गिलास का उपयोग करें। प्रायः यह देखा जाता है कि लोग बड़े गिलास/बर्तन में पानी लेकर एक या दो घूँट पानी पीने के बाद शेष पानी फेंक देते हैं। इस लिये उतना ही पानी लिया जाये जिसे पिया जा सके।

3– प्रायः यह देखा जाता है कि लोग पीने के पानी (ट्रीटेड) से अपने लान, किचेन, गार्डेन, फूलों की क्यारियों की सिंचाई तथा गर्मियों में घरके सामने की सड़क भिगातें हैं ताकि धूल न उड़े। जनमानस से अनुरोध किया जाता है कि पेयजल की महत्ता को पहचाने एवं इस अमूल्य धरोहर/संसाधन को अपव्यय से बचने का प्रयास करें।

4– ताजा पानी के उपयोग हेतु सायं/विगत दिवस में संरक्षित पीने के पानी को न फेंके/बर्बाद न करें उसे अन्य कार्य में उपयोग में लायें।

5– सर्विस स्टेशनों द्वारा गाड़ी धोने में पीने के पानी का प्रयोग न करें।

6– कन्ट्रोल रूम का नं०–9235553826, 27 पर जलकल विभाग से सम्बन्धित समस्याओं की सूचना दी जा सकती है।

नोट – जलकल/जलमूल्य/सीवर कर के बिलों का भुगतान समय से कर छूट का लाभ प्राप्त करें। बिलों का भुगतान जलकल विभाग की वेबसाइट www.jalkalkanpur.in पर आन लाइन भी जमा किये जा सकते हैं।

महाप्रबन्धक	नगर आयुक्त	महापौर
के. पी. आनन्द	शिव शरणअप्पा जी.एन.	प्रमिला पाण्डेय

Youtube पर Dravid Bharat Channel को Subcribe करें और 🔔 दबायें।